अनौपचारिक पत्र

छोटे भाई को सत्संगति का महत्त्व बताते हुए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन

स्वास्थ्य विहार

दिल्ली-92

तिथि: - - अक्टूबर,2012

प्रिय रोहन

शुभाशीष।

कल ही पिताजी का पत्र मिला और साथ ही तुम्हारा परीक्षा परिणाम भी। आश्चर्य के साथ-साथ दुख भी हुआ कि कल का होनहार विद्यार्थी आज कुसंगति के कारण पतन का शिकार हो रहा है। रोहन तुम हमारे घर का चिराग हो, माँ-बाप की आस हो। क्षणिक सुख के लिए अथवा आनंद के लिए तुम अपने भविष्य को नष्ट कर रहे हो। मित्रों का चुनाव करते समय अपनी विवेक बुद्धि का प्रयोग करना आवश्याक है।अच्छे मित्रों का चुनाव करो जो शिक्षण में तथा चरित्र निर्माण में तुम्हें सहयोग दें। जो तुमसे

कमज़ोर हैं उन्हें अपने स्तर तक लाने का प्रयास करो,स्वयं उनके स्तर पर उतरकर माँ-बाप को निराश मत करो। उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है कि मेरा छोटा भाई मेरे परामर्श को ध्यान में रखते हुए गलत मित्रों का साथ छोड़ देगा और जीवन की पराकाष्ठाओं (चरमसीमा) का स्पर्श करेगा।

माताजी-पिताजी को मेरा सादर प्रणाम कहना मत भूलना और अपना ध्यान रखना।

शुभाकांक्षी

तुम्हारा भाई

क.ख.ग।